गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु के पार पहुँचा

चर्चा में क्यों?

वाराणसी में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु पार कर गया है, **जिससे वहाँ भीषण** बाढ़ आ गई है और क्षेत्र के **4,000 से अधिक निवासी प्रभावित हुए हैं।**

- जलस्तर 70.76 मीटर तक बढ़ गया, जो कि चेतावनी सीमा 70.26 मीटर को पार कर गया; यह 5 सेमी. प्रति घंटे की दर से बढ़ रहा था।

प्रमुख बिंदु

- **निवासियों पर प्रभाव:**
  - **प्रभावित आबादी:** बाढ़ से कुल 4,461 व्यक्ति प्रभावित हुए हैं। ज़िले के कई निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं, जिससे लोगों को आने-जाने के लिये नावों का प्रयोग करना पड़ रहा है।
  - **पुनर्वास:** कटाव से प्रभावित मोकलपुर के परिवारों को राहत शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा, 299 परिवारों के 1,601 लोग वर्तमान में इन शिविरों में रह रहे हैं।
- **राहत उपाय:**
  - **बाढ़ राहत शिविर:** ज़िला प्रशासन ने **46 बाढ़ राहत शिविर स्थापित किये हैं,** जिनमें से 14 वर्तमान में कार्यरत हैं।
    - **इन शिविरों में भोजन, फल, दूध** और **पीने का जल** जैसी आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिये चिकित्सा शिविर भी स्थापित किये गए हैं।
  - **बचाव कार्य: बचाव कार्यों के लिये** कुल **22 नावें** तैनात की गई हैं।
    - राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की टीमें मोटरबोटों का उपयोग करते हुए राहत कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

गंगा नदी प्रणाली

- **गंगा नदी उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर** से 3,892 मीटर की ऊँचाई पर भागीरथी के रूप में निकलती है।
- गंगा नदी के मुख्य स्रोत कई छोटी-छोटी धाराएँ हैं। इनमें **अलकनंदा, धौलीगंगा, पिंडर, मंदाकिनी** और **भीलंगना प्रमुख हैं।**
  - **देवप्रयाग** में जहाँ **अलकनंदा भागीरथी** से मिलती है, नदी को गंगा नाम मिलता है। यह **बंगाल की खाड़ी** में सम्मिलित होने से पहले **2525 किलोमीटर की दूरी तय करती है।**
- गंगा **छह मुख्य धाराओं** और उनके **पाँच संगमों से बनती है।**
  - **नंदप्रयाग:** नंदाकिनी नदी और अलकनंदा नदी का संगम।
  - **कर्णप्रयाग:** पिंडर नदी और अलकनंदा नदी का संगम।
  - **विष्णुप्रयाग:** धौलीगंगा नदी और अलकनंदा नदी का संगम।
- भागीरथी, जिसे मूल धारा माना जाता है, **गंगोत्री ग्लेशियर के निचले भाग में गौमुख** से निकलती है। अंत में यह बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है।
- गंगा नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ:
  - **दाहिने किनारे की सहायक नदियाँ:** यमुना, टोंस, करमनासा, सोन, पुनपुन, फल्गु, किऊल, चंदन, अजॉय, दामोदर, रूपनारायण।
- गंगा **नदी उत्तर प्रदेश** के **28 ज़िलों** से होकर प्रवाहित होती है, जो **बिजनौर ज़िले से होते हुए** राज्य में प्रवेश करती है। **प्रयागराज** में **त्रिवेणी संगम** पर **यमुना** में विलीन होने से पहले यह **उत्तर प्रदेश** में लगभग **1140 किलोमीटर की दूरी तय करती है।**

//

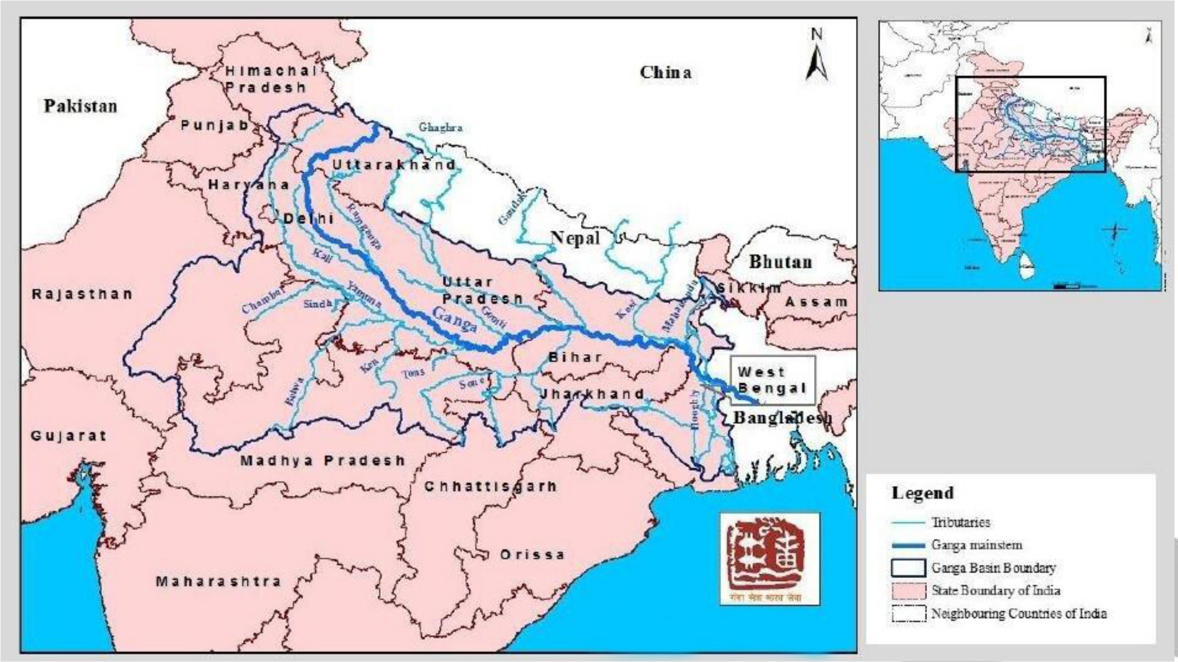

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ganga-crosses-warning-mark-in-kashi